हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 68 देहरादून, शनिवार, 02 सितंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

उच्च शिक्षा में अवस्थापन विकास के लिये 159 करोड़ स्वीकृत : धन सिंह रावत 3

भावी पीढ़ी सर्वोच्च बलिदान देने वालों का करे स्मरण : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खटीमा , 2 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना के लिए 1 सितंबर 1994 को शहीद हुए आंदोलनकारियों के शहादत दिवस पर खटीमा में मुख्य चौराहे के पास स्थित शहीद स्थल पहुचकर शहीदो की मूर्तियों का अनावरण किया और माल्यर्पण कर श्रंद्धाजलि अर्पित की और शहीदों के परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रसन्न होने का दिन नहीं है, क्योंकि आज हम उत्तराखंड की नींव रखने वाले उन महान लोगों को याद कर रहे हैं जिन्होंने उत्तराखंड निर्माण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। शहीद आंदोलनकारियों ने बहनों की राखियों, मां की ममता को छोड़कर राज्य निर्माण में सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि हमारे बेहतर भविष्य के लिये इन हुतात्माओं ने अपना वर्तमान और भविष्य दोनों कुर्बान कर दिए । उन्होंने कहा उत्तराखण्ड की जनता इन वीरों की आजन्म ऋणी रहेगी । जिनकी शहादत के परिणाम स्वरुप हमारे इस राज्य का गठन हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें यह याद करने की आवश्यकता है कि आखिर क्यों इन महान लोगों ने राज्य निर्माण के लिए स्वयं का बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि इन महान लोगों ने स्वयं का बलिदान इसीलिए दिया कि उन्हें लगता था कि उत्तराखंड अलग राज्य बनकर ही सच्चे अर्थों में उनके सपनों को पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वयं एक आंदोलनकारी होने के नाते आंदोलनकारियों के परिवार की पीड़ा समझ सकता हूं। खटीमा गोलीकांड को याद कर आज भी खटीमा वासियों सहित पूरे उत्तरखण्ड के लोगों का दिल सहम जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के लिए सबसे पहली शहादत खटीमा की धरती पर दी गई थी और इस शहादत के फलस्वरूप हम पृथक राज्य के रूप में अपनी अलग पहचान बना पाएं हैं, जो खटीमावासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नई कार्य संस्कृति को लागू किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोनाकाल में 120 से ज्यादा देशों को स्वदेशी वैक्सीन देने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया की देश के प्रति श्रद्धा पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब चन्दा मामा दूर के नहीं रह गए हैं। इस बार धरती मां की तरफ से चन्दा मामा को राखि भेजी गई है।

उन्होंने कहा कि मेरा एक-एक पल, एक-एक क्षण राज्य आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए है और हम देवभूमि के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों के अध्ययन के पश्चात देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया और 80 से अधिक नकल माफिया अब तक जेल जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिसमे योग्यता, प्रतिभा और क्षमता होगी, उसे आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि नकल माफियाओं पर 10 साल सजा और सारी संपत्ति जब्त करने का प्रावधान किया गया है साथ ही अभ्यर्थियों के डिबार का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए दिन रात काम कर रही है। हमने राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन बढ़ाने के साथ ही 10 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारी भाइयो-बहनो के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2025 तक हमारा राज्य, देश का अग्रणीय राज्य होगा, इसके लिए हम सभी को विकास की इस यात्रा में मिलकर चलना होगा। इस दौरान केन्द्रीय पर्यटन एवं रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने सभी शहीदों एवं आन्दोलन कारियों को नमन करते हुए कहा कि शहीद व्यक्ति परिवार का नही बल्कि राज्य एवं देश की अनमोल धरोहर हैं। कार्यक्रम में केन्द्रय पर्यटन एवं रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, विधायक गोपाल सिंह राणा, महिला आयोग की उपाध्यक्ष सायरा बानो, पूर्व विधायक डॉ.प्रेम सिंह राणा, भाजपा जिलाध्क्ष कमल जिन्दल, मण्डी अध्यक्ष नन्दन सिंह खड़ायत, रमेश जोशी उर्फ रामू भाई, संतोष अग्रवाल, जिलाधिकारी उदयराज सिंह, एसएसपी मन्जूनाथ टीसी, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी रवीन्द्र सिंह बिष्ट, तुषार सैनी सहित क्षेत्रीय जनता आदि उपस्थित थी।

कैबिनेट बैठक : 22 प्रस्तावों को दी मंजूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में आज कैबिनेट की बैठक हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पहले अनुपूरक बजट, आयुषनीति, भर्ती परीक्षाओं से संबंधित कार्मिक के प्रस्ताव पर पर चर्चा हुई। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात ये है किराज्य आंदोलनकारी क्षैतिज आरक्षण बिल को भी मंजूरी मिल गई। विधानसभा सत्र में विधेयक आएगा, जोकि 2004 से लागू होगा। वहीं अप्रचलित विधेयकों

को निरस्त करने के लिए विस में निरसन विधेयक लाया जाएगा। इसे भी कैबिनेट ने मंजूरी दे है।

कैबिनेट के प्रमुख फैसले

- अनुपूरक बजट को मंजूरी।
- जीएसटी संशोधन विधेयक को मंजूरी।
- लोक ऋण विधेयक को स्वीकृति।
- उत्तराखंड आयुष नीति को मंजूरी
- सरकारी विश्व विद्यालय के लिए अंब्रेला एक्ट
- आपदा प्रबंधन विभाग में 148 पदों को मंजूरी।
- उत्तराखंड माल एवं सेवाकर संशोधन विधेयक को मंजूरी
- इंदिरा मार्केट रि डेवलपमेंट परियोजना को मिला एक्सटेंशन।
- स्टेट इंस्टीट्यूटऑफ होटल मैनेजमेंट रामनगर का ढांचा स्वीकृति।
- एकल संवर्ग पदों पर रिजल्ट घोषित होने पर प्रतीक्षा सूची भी बनेगी
- राज्य आंदोलनकारियों को 10 प्रतिशत आरक्षण विधेयक पर लगी मुहर।
- राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों के लिए अंब्रेला एक्ट बनाएंगे, विधेयक को स्वीकृति।
- एकल पद पर भर्ती परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों की 25 प्रतिशत प्रतीक्षा सूची भी बनेगी।
- दैनिक वेतन, आउट सोर्सिंग, संविदा कर्मचारियों को मातृत्व, पितृत्व, बाल्य देखभाल अवकाश को मंजूरी।
- राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के लिए अंब्रेला एक्ट के लिए विधेयक को स्वीकृति, राज्य के विद्यार्थियों को 25 प्रतिशत प्रवेश व शुल्क में छूट।

मीटिंग में अधिकारियों के देरी से पहुंचने पर नाराज हुई विस अध्यक्ष

देहरादून। विधानसभा सत्र तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में भी अधिकारी समय पर नहीं पहुंच पाए। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए, गैर हाजिर अधिकारियों से जवाब तलब करने को कहा है। पांच सितंबर से प्रस्तावित मानसून सत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने शुक्रवार को विधानसभा भवन में उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक के लिए खंडूडी ठीक 11 बजे हॉल में पहुंच गई, लेकिन इस दौरान कई कुर्सियां खाली नजर आने पर उन्होंने इसकी वजह पूछते हुए समय से न आने वाले अधिकारियों से जवाब लेने को कहा है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सत्र के दौरान आम जनमानस को यातायात से संबंधित परेशानी न हो, अधिकारी समय

पर रूट डायवर्जन की जानकारी प्रसारित करें। उन्होंने कहा कि दर्शकदीर्घा के लिए सदस्यों की संस्तुति पर एक और मंत्रियो की संस्तुति पर दो ही प्रवेश पत्र ही जारी की जाएंगे। सत्र कार्यवाही की वीडियो रिकार्डिंग और वेबकास्टिंग सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा की जाएगी। विधायकों और मंत्रियों के वाहन ही परिसर में पार्क किए जाएंगे। इस दौरान गैर सरकारी व्यक्तियों का विधानसभा परिसर में प्रवेश मान्य नहीं होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि अभी तक विधानसभा के पास सदस्यों के कुल 614 प्रश्न प्राप्त हो चुके हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, महानिदेशक सूचना बंसीधर तिवारी, आईजी गढ़वाल केएस नगन्याल, कमिश्नर गढ़वाल विनय शंकर पांडे, स्वास्थ्य सचिव आर राजकुमार, सीएमओ देहरादून डॉ संजय जैन, जिलाधिकारी सोनिका, डीजी हेल्थ विनिता शाह, डीआईजी दलीप सिंह कुंवर, विधानसभा सचिव एसएमडी दानिश, उपसंयुक्त सचिव विधानसभा सीएम गोस्वामी, उप सचिव विधानसभा नरेंद्रावत , उपसचिव हेम पंत, सुरक्षाधिकारी प्रदीप गुणवंत मौजूद रहे।

उत्तराखंड में जल्द तैयार होने वाला है देश का पहला ग्लास ब्रिज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 02 सितम्बर : हर किसी की पसंदीदा जगहों में से एक ऋषिकेश, योग भूमि के रूप में विख्यात है। आध्यात्मिक और धार्मिक रूप से भी यहां लोग खूब आते हैं। अगर ऋषिकेश में कुछ सबसे ज्यादा लोकप्रिय है तो, वो हैं लक्ष्मण और राम झूला। जो भी यहां आता है, वो इन दो जगह ज़रूर जाता है। मगर बीते कुछ महीनों से लक्ष्मण झूला को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। पुल में आई दरारों ओर टूटती रस्सियों की वजह से इसे फिलहाल के लिए बंद कर दिया गया और इसकी जगह पर कांच का नया पुल बनाया जा रहा है। ये पुल भारत का पहला ग्लास ब्रिज यानी कांच का पुल होगा। इस कांच के पुल का नाम बजरंग सेतु होगा। इस झूले को मॉडर्न तकनीकी से लैस किया जा रहा है।

साभार - सो.मी.

जी हां, उत्तराखंड में अब आपको कांच का पुल देखने को मिलेगा। इस करोड़ों की लागत से बन रहे पुल पर चलने के रोमांच को महसूस कर सकेंगे। लोक निर्माण विभाग ऋषिकेश में बजरंग सेतु का निर्माण करा रहा है, जो लक्ष्मण झूला पुल का विकल्प बनेगा। ऐतिहासिक लक्ष्मण झूला पुल के विकल्प बजरंग सेतु का 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। जनवरी 2024 तक बजरंग सेतु बनकर तैयार हो जायेगा। 69.20 करोड़ की लागत से बनने वाले बजरंग सेतु के निर्माण की शुरुआत 5 जनवरी 2022 को हुई थी। पुल का 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। बजरंग सेतु ऋषिकेश क्षेत्र का एक ऐतिहासिक पुल होगा। पुल पर हल्के चौपहिया वाहन भी चलेंगे। बता दें कि 92 साल पुराने जर्जर हो चुके लक्ष्मण झूला पुल को सुरक्षा की दृष्टि से 16 अप्रैल 2022 को प्रशासन ने बंद कर दिया था जिससे गंगा के आर-पार आवागमन को लेकर पर्यटकों और स्थानीय लोगों को काफी दिक्कत हो रही थी।

ऐसे में बजरंग सेतु शानदार विकल्प के तौर पर सामने आया। चलिए आपको इसकी कुछ खास बातें बताते हैं। बताया जा रहा है कि टावर की ऊंचाई करीब 27 मीटर होगी। कुल 133 मीटर लंबे और आठ मीटर चौड़ाई वाला यह पुल थ्री लेन का होगा। इस पुल के बीच में छोटे चौपहिया वाहन गुजर सकेंगे। पुल के बीच में ढाई-ढाई मीटर की डबल लेन दुपहिया और चौपहिया वाहनों के लिए होगी इसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए पुल के दोनों ओर कांच के फुटपाथ होंगे।

दोनों किनारों पर डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़े फुटपाथ 65 एमएम मोटे कांच से बनाए जाएंगे। कांच की फुटपाथ वाला यह उत्तर भारत का पहला पुल होगा। हालांकि लक्ष्मण झूला एक ऐतिहासिक पुल था, मगर अब वो हमारी यादों में ही रह गया है। उम्मीद है कि जिस तरह से लोगों ने लक्ष्मण झूला को प्यार दिया, उसी तरह लोग बजरंग सेतु को भी दिल मे बसा लेंगे और यह हाईटेक पुल ऋषिकेश के टूरिस्ट स्पॉट के रूप में जाना जाएगा।

क्या आपके Urine से आती है Smell, ? पढ़िए वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 सितंबर , सेहत सही है तो सब अच्छा लगता है वर्ना किसी भी पल चैन नहीं मिलता है। क्योंकि because हमारी आपकी दिनचर्या और खानपान आज के दौर में अनुशासित और नियंत्रित नहीं रहती है ऐसे में कभी-कभी हमारे शरीर में कुछ दिक्कत हो जाने के कारण या खानपान के बदलाव के चलते हमारे पेशाब से एक अजीब सी गंध आती है। घर का बाथरूम हो या दफ्तर का वाशरूम अचानक अंदर जाने से एक अलग स्मेल परेशान कर देती है तो क्या आप जानते है इस समस्या के क्या हो सकते हैं कारण,चलिए बताते हैं।हम सभी ने कभी न कभी अपने पेशाब में आम दिनों की तुलना में खराब गंध को महसूस किया होगा। जैसा कि सभी जानते हैं पेशाब का रंग हमारी सेहत का हाल बता देता है। ठीक वैसे ही पेशाब की गंध भी सेहत का हाल बताती है। कई बार पेशाब में स्मेल का पता भी नहीं लगता तो कई बार इतनी तेज होती है, कि बर्दाश्त करना मुश्किल हो जाता है। आपकी सेहत का बदलता हाल आपके पेशाब के गंध में भी बदलाव लाता है।

क्यों आती है पेशाब से गंध

पेशाब से गंध आने का एक सबसे बड़ा कारण डिहाइड्रेशन है। यूरिन में अमोनिया होता है, तो आप जितने ज्यादा हाइड्रेटेड रहते हैं अमोनिया उतना ही कम कंसंट्रेट हो पाता है। पर जब आप कम हाइड्रेटेड रहते हैं, तो अमोनिया का कंसंट्रेशन बढ़ता है जिसकी वजह से पेशाब से गंध आती है। यूटीआई में भी पेशाब से काफी तेज गंध आती है। इसके साथ ही यूरिन से भाप या पेशाब करते टाइम जलन महसूस हो रही है, तो आप यूटीआई (UTI) के शिकार हो सकते हैं।

डायबिटीज का खतरा

साभार - सो.मी.

पेशाब में स्मैल आने का कारण डायबिटीज भी हो सकता है। यदि आप डायबिटिक हैं तो अगर पेशाब से भीनी सी महक आ रही है, तो समझ जाएं की शुगर लेवल बढ़ा हुआ है। PKU (पेशाब में एक तीखी गंध Phenylketonuria) और मेपल सिरप दो ऐसे जेनेटिक डिसऑर्डर हैं, जो बचपन में ही डिटेक्ट हो जाते हैं और पूरी जिंदगी बने रहते हैं।

यदि पेशाब में से अचानक से तेज गंध आने लगे तो इसे भूलकर भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। कभी कभार लिवर की सेहत बिगड़ने का भी संकेत देती है।कॉफी पीने से डिहाइड्रेशन होता है। इस समस्या से बचने के लिए कॉफी पीने से पहले और बाद में एक-एक गिलास पानी पी सकते हैं। जो लोग लहसुन प्याज का ज्यादा सेवन करते हैं, उनके पेशाब के साथ-साथ पसीने से भी एक बदबू सी आती है।गर्भावस्था में शरीर में हार्मोन काफी तेजी से बदलते हैं, जिसकी वजह से पेशाब में गंध आ सकती है। एस्ट्रोजन और प्रोजेस्ट्रोन ऐसे हार्मोन से जो पेशाब में दुर्गंध का कारण बनते हैं।

बहन का दर्द देख भाई ने किया दिल जीतने वाला काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 सितंबर , रक्षाबंधन का त्योहार बीत चुका है। देशभर में इस त्योहार को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई को राखी बांधती है। इस राखी का मतलब होता है कि भाई किसी भी परिस्थिति में अपनी बहन का साथ नहीं छोड़ेगा और किसी भी स्थिति में बहन की रक्षा करेगा। इस दिन भाई बहनों को कई तरह के तोहफे भी देते हैं। लेकिन क्या हो जब भाई अपनी बहन के जीवन को बचाने के लिए अपने शरीर का एक अंग ही दान कर दे। ऐसी ही कहानी तेलंगाना के हैदराबाद में देखने को मिली है। पुणे के रहने वाले एक भाई ने अपनी बहन के जीवन की रक्षा के लिए अपनी एक किडनी को दान कर दिया है।

रक्षाबंधन पर बहन को भाई ने किडनी किया दान

न्यूज एजेंसी से दुष्यंत वरकर और शीतल भंडारी ने बात की। इस बातचीत में शीतल भंडारी ने बताया कि वो डायलिसिस के बाद कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रही थीं। शीतल ने कहा, 'यह उनके जीवन का सबसे यादगार पल है। शरीर में

साभार - सो.मी.

कमजोरी के कारण मैं काम करने में असमर्थ थी। ऐसे में भाई ने साहसी फैसला लिया कि वह अपनी किडनी मुझे दान करना चाहता है। हालांकि हमने किडनी दान के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था।' उन्होंने कहा कि हर बहन का एक भाई होना चाहिए जो किसी भी परिस्थिति में उसकी मदद कर सके। भाई-बहन के रिश्ते को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती।

ट्रांसप्लांट हुआ सफल

दुष्यंत वरकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मेरी बहन साल 2017 से किडनी की समस्या से जूझ रही थी। डॉ. एवी राव और सुजीत रेड्डी की टीम ने हमारी बहुत मदद की। उन्होंने सफलतापूर्वक मेरी किडनी को मेरी बहन में ट्रांसप्लांट कर दिया है। वहीं हैदराबाद में स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी, के नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. सुजीत रेड्डी ने कहा कि भाई ने अपनी बहन को किडनी दान किया है। सर्जरी बिना किसी जटिलता के की गई।

उत्तराखंड : इन चार जगहों पर लगेगा रोजगार मेला

साभार - सो.मी.

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 02 सितम्बर : रोजगार की तलाश कर रहे युवा ध्यान दें। चंपावत में रोजगार मेला लगने वाला है। जिले में एक नहीं बल्कि 4 जगह रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में हिस्सा लेने वाले युवाओं को इंटरव्यू के माध्यम से जॉब मिलेगी। अगर आप भी रोजगार की तलाश में हैं तो रोजगार मेले में जरूर पहुंचें। सेवायोजन विभाग चंपावत द्वारा बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से 2 सितंबर को विकासखण्ड कार्यालय लोहाघाट में रोजगार मेला आयोजित होगा। इसके बाद 4 और 5 सितंबर को खंड विकास कार्यालय पार्टी में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा।6 और 8 सितंबर को खंड विकास कार्यालय बाराकोट में रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है। इसके बाद 11 और 12 सितंबर को नगर पालिका टनकपुर में रोजगार भर्ती मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले के माध्यम से एसआईएस सिक्योरिटी कंपनी द्वारा सुरक्षा गार्ड एवं सुरक्षा सुपरवाइजर के पदों की भर्ती की जाएगी। सुरक्षा गार्ड के पद के लिए अभ्यर्थी का हाईस्कूल पास होना जरूरी है। इसी तरह सुपरवाइजर के पद के लिए इंटरमीडिएट पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। आयु सीमा भी नोट कर लें। अभ्यर्थी की आयु 21 से 37 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अभ्यर्थी का चयन इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी स्वयं के व्यय पर रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं।

उच्च शिक्षा में अवस्थापन विकास के लिये 159 करोड़ स्वीकृत : धन सिंह रावत

- आधुनिक आईटी लैब व छात्रावास से लैस होंगे मॉडल कॉलेज
- 6 महाविद्यालयों में कला व विज्ञान संकाय के बनेंगे पीजी ब्लॉक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 2 सितम्बर , सूबे में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत 20 राजकीय महाविद्यालयों का कायाकल्प कर उन्हें शोध आधारित मॉडल कॉलेज के रूप में विकसित किया जायेगा। इसी प्रकार 6 राजकीय महाविद्यालयों में कला व विज्ञान संकाय के लिये नये पीजी ब्लॉक बनाये जायेंगे। इसके लिये राज्य सरकार ने रूपये 159 करोड़ से अधिक की धनराशि स्वीकृत कर दी है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत शोध आधारित मॉडल कॉलेज विकसित करने में जुटी है। इसके लिये प्रदेश के 20 राजकीय महाविद्यालयों का चयन कर उनमें आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिये रूपये 129 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी है। इसी तरह राज्य के 6 राजकीय महाविद्यालयों में कला एवं विज्ञान संकाय के पृथक पीजी ब्लॉकों के निर्माण के लिये रूपये 30 करोड़ मंजूर कर कुल 159 करोड़ से अधिक की धनराशि स्वीकृत कर दी है। उन्होंने बताया कि स्वीकृत धनराशि से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर, काशीपुर, चम्पावत, बागेश्वर, पिथौरागढ़, हल्द्वानी, रानीखेत, कोटद्वार, नरेन्द्रनगर, नई टिहरी, उत्तरकाशी, थलीसैंण, गैरसैंण, लक्सर, गोपेश्वर, डाकपत्थर, रायपुर, अगस्त्यमुनि सहित कुमाऊं विश्वविद्यालय का डीबीएस परिसर तथा सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर में जरूरी संसाधन जुटाकर मॉडल कॉलेज बनाये जायेंगे।

इन महाविद्यालयों में महिला एवं पुरूष छात्रावास सहित अति आधुनिक आई.टी. लैब तथा ई-लर्निंग कक्षों का निर्माण किया जायेगा। डॉ. रावत ने बताया कि महिला व पुरूष छात्रावासों में तमाम सुविधाओं के साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किये जायेंगे। इसके अलावा छात्र-छात्राओं के लिये पार्किंग, डाईनिंग हाल, किचन, दिव्यांग कक्ष एवं रैम्प तथा वार्डन ऑफिस भी बनाये जायेंगे। विभागीय मंत्री डॉ. रावत ने बताया कि प्रदेश के 6 राजकीय महाविद्यालयों राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्याल्दे, बेरीनाग एवं कपकोट में कला संकाय भवन तथा राजकीय महाविद्यालय टनकपुर, थत्युड एवं सोमेश्वर में विज्ञान संकाय के भवनों का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि मॉडल कॉलेजों एवं पीजी कॉलेजों में निर्माण कार्यों को शीघ्र शुरू करने के लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं ताकि तय समय निर्माण कार्यों को पूरा किया जा सके और छात्र-छात्राओं का इसका लाभ मिल सके।

राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा के लिये रूपये 159 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। जिसके तहत प्रदेश के 20 मॉडल कॉलेजों में अति आधुनिक आईटी लैब एवं छात्रावास का निर्माण किया जायेगा जबकि 6 राजकीय महाविद्यालयों में कला एवं विज्ञान संकाय के लिये भवन बनाये जायेंगे।

हमारा ध्येय प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप छात्र-छात्राओं को गुणवत्ता, रोजगार एवं शोधपरक शिक्षा उपलब्ध कराना है- डॉ. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड सरकार।

पछुवादून में खटीमा, मसूरी कांड के शहीदों को किया नमन

विकासनगर। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान एक सितंबर 1994 को खटीमा में तत्कालीन समाजवादी पार्टी की सरकार द्वारा कराए गए गोली मांड में शहीद राज्य आंदोलनकारियों की बरसी पर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। आक्रोशित राज्य आंदोलनकारियों ने 25 साल पश्चात भी खटीमा, मसूरी और रामपुर तिराहा को दोषियों को अभी तक सजा नहीं मिलने पर इसे आंदोलनकारी शहीदों का का अपमान करार दिया। आंदोलनकारी मंच के महासचिव जयकृष्ण सेमवाल ने श्रद्धांजलि सभा में अब तक की सरकारों पर आरोप लगाया कि शहीदों को सम्मान नहीं मिला है। गोलीकांड के दोषियों को सजा दिलाने में किसी भी सरकार ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। शहीद राज्य आंदोलनकारियों के आश्रितों को आज तक भी कोई सुविधा मुहैया नहीं कराई गई। श्रद्धांजलि सभा में सरकार से मांग की समस्त खटीमा, मसूरी, रामपुर तिराहा मुजफ्फरनगर के शहीद राज्य आंदोलनकारियों के आश्रितों को समस्त सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। सभा में अब तक की सरकारों की निंदा करते हुए राज्य आंदोलनकारियों ने कहा कि आज 29 साल बाद भी खटीमा, मसूरी, रामपुर तिराहा कांड के दोषियों को सजा नहीं मिल पाई। श्रद्धांजलि देने वालों में, सुरेंद्र कुकरेती, विजय लक्ष्मी उनियाल, बीना पंवार, शांति डंगवाल, सरोजनी ममगाईं, सावित्री जोशी, लक्ष्मी पंवार, सुशीला कपरुवाण, अमजद मिर्जा, भूपेंद्र सिंह नेगी आदि शामिल रहे।

धारा-371 लागू की जाए: राज्य आंदोलनकारियों ने कहा कि प्रदेश और स्थानीय संस्कृति को बचाने के लिए धारा-371 और सशक्त भू कानून लागू किया जाना जरूरी है। इसके लिए राज्य आंदोलन की तर्ज पर नया आंदोलन शुरु किया जाएगा।

हंसा, दमयंती हैं तीलू रौतेली का रूपः राज्य आंदोलनकारी वीना पंवार ने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान दमयंती चौहान और हंसा धनई ने अपनी शहादत देकर साबित किया कि उत्तराखंड की वीरांगनाएं किसी से कम नहीं हैं। दोनों ही उत्तराखंड राज्य की वर्तमान तीलू रौतेली का रूप हैं, जिन्हें नमन कर नई पीढ़ी खुद को गौरान्वित महसूस करेंगी।

अतिक्रमण से प्रभावित व्यवसायियों का पुनर्वास हो

ऋषिकेश। व्यापारियों ने प्रशासन के खिलाफ हल्ला बोला है। वे सडक़ किनारे व्यापार करने वाले व्यवसायियों को परेशान किए जाने से नाराज हैं। उन्होंने सरकार से अतिक्रमण से प्रभावित व्यवसायियों के पुनर्वास करवाने की मांग की। शुक्रवार को प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के बैनर तले व्यापारी तहसील पहुंचे। वहां उन्होंने प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखंड में सडक़ों के किनारे सडक़ सीमा से बाहर 12 हजार व्यवसाई बीते 60 से 70 सालों से अपना व्यवसाय कर रहे हैं। इनकी तीन पीढियां यहां व्यवसाय कर चुकी है। लेकिन अब प्रशासन उच्च न्यायालय का हवाला देते हुए बिना चिन्हीकरण के ही ऐसे व्यवसायियों को उजाड़ रहा है। उन्होंने अतिक्रमण से प्रभावित व्यवसायियों के पुनर्वास करवाने की मांग की। उन्होंने मांग को लेकर एसडीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा। मौके पर जिलाध्यक्ष नरेश अरोड़ा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष कोहली, हरगोपाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, प्रदेश मंत्री श्रवण कुमार जैन, व्यापार प्रतिनिधिमंडल ऋषिकेश के अध्यक्ष ललित मोहन मिश्रा, महामंत्री प्रतीक कालिया, शिवम टुटेजा, दीपक तायल, पवन शर्मा, आशु डंग, सचिन गर्ग, नरेश अग्रवाल आदि रहे।

बागेश्वर उपचुनाव में रिकॉर्ड तोड़ मतों से विजयी होगी भाजपा : मंत्री गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 02 सितंबर । कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का बाबा बागनाथ की नगरी में पहुंचने पर पूर्व सैनिक संगठन बागेश्वर इकाई द्वारा कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का भव्य स्वागत किया गया। शुक्रवार को मंडलशेरा स्थित बीजेपी के जिला कार्यालय में कैबिनेट मंत्री बागेश्वर पहुंचे। जहां उन्होंने बागेश्वर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास के समर्थन में आयोजित सैनिक महासभा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। पूर्व सैनिक संगठन द्वारा कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का बागेश्वर आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में वीर नारियां स्वतंत्रता सैनानी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मंत्री गणेश जोशी ने स्व.कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा स्व. चंदन राम दास बहुत ही मृदु भाषी और सरल स्वभाव के थे। मंत्री गणेश जोशी ने बागेश्वर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी स्व.कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास की पत्नी पार्वती दास के पक्ष में पूर्व सैनिकों से मतदान करने की अपील भी की। उन्होंने कहा बागेश्वर की जनता ने भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास के पक्ष में मतदान का फैसला ले लिया है।

मंत्री ने पूर्व सैनिकों से भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास के पक्ष में मतदान का अनुरोध किया। जिसपर कई संख्या में पहुंचे पूर्व सैनिकों ने भाजपा प्रत्यासी के पक्ष में मतदान की हामी भरी। मंत्री ने बागेश्वर से लगातार चार बार जितना स्व चंदन राम दास की लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने कहा बागेश्वर की जनता ने भाजपा के पक्ष में मतदान का मन बना लिया है। मंत्री गणेश जोशी ने भरोसा जताते हुए कहा कि बागेश्वर उपचुनाव में भाजपा रिकॉर्ड तोड़ मतों से विजयी होगी।

इस दौरान पूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारियों द्वारा कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को अपनी विभिन्न मांगो को लेकर ज्ञापन दिया गया। मंत्री गणेश जोशी ने कहा सैनिकों के सम्मान और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने बागेश्वर की जनता से आगमी पांच सितंबर को भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील भी की।

इस अवसर पर कपकोट विधायक सुरेश गडिया, विधायक खजान दास, जिलाध्यक्ष इंदर सिंह फर्सवान, प्रदेश मंत्री राजेंद्र बिष्ट, पीबीओआर अध्यक्ष शमशेर सिंह बिष्ट, पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष कै. दरवान सिंह हरडिया सहित सैकडो पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

अपने रिश्ते में परखिये इन खूबियों को

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 सितंबर , आजकल रिश्तों में खटास और मनमुटाव आ जाना कोई हैरानी की बात नहीं हैं। लेकिन हर रिश्तों में प्यार , सम्मान , भरोसा कम हुआ है ऐसा भी नहीं है। गरुण पुराण में भगवान विष्णु और उनके वाहन गरुड़ के बीच बातचीत का वर्णन है। इसमें हम मृत्यु के बाद के जीवन और सभी दुनिया के रहस्यों के बारे में जानकारी देख सकते हैं। इसके अलावा इस महापुराण में बेहतर जीवन जीने के लिए कई नीतियों, जप, तप, यागामी और कुछ अन्य बातों का भी उल्लेख किया गया है। गरुड़ पुराण में स्त्री-पुरुष के कर्तव्य और उनकी विशेषताओं का उल्लेख है। गरुड़ पुराण में एक अच्छी और गुणी पत्नी के कर्तव्यों का वर्णन किया गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार एक गुणी पत्नी की पहचान इन 6 गुणों से होती है-

अपने रिश्ते में परखिये इन खूबियों को -

घर की देखभाल

एक अच्छी पत्नी वह होती है जो अपने घर की सभी जिम्मेदारियाँ अच्छे से निभाती है, परिवार के सदस्यों का ख्याल रखती है, मेहमानों का अच्छे से मनोरंजन करती है और घर में शांति और खुशी बनाए रखती है। गरुड़ पुराण कहता है कि ऐसी पत्नी गुणवान पत्नी मानी जाती है।

पति का सम्मान

एक सच्ची पत्नी वह होती है जो अपने पति का सम्मान करती है, जो अपने पति और उसके परिवार के सदस्यों का सम्मान करती है, उनसे मीठा बोलती है और अपने पति की सलाह के अनुसार कोई भी काम करती है। ऐसी पत्नी अपने पति को सदैव प्रिय रहती है। समाज उसे एक संस्कारी पत्नी के रूप में देखता है। हालाँकि, आचरण के ऐसे नियम पति के साथ-साथ पत्नी पर भी लागू होते हैं।

आज्ञा का पालन

गरुड़ पुराण उस पत्नी को पवित्र पत्नी मानता है जो अपने पति की आज्ञा का पालन करती है। हालाँकि, हर चीज़ को स्वीकार करने का मतलब गलत चीजों को स्वीकार करना नहीं है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि अगर पति गलत रास्ते पर है तो ऐसे में पत्नी को उसे सही रास्ते पर लाना चाहिए।

आध्यात्म में लीन

जो महिला अध्यात्म में रुचि रखती है और पूजा-पाठ, धार्मिक गतिविधियां और अनुष्ठान करती है वह बहुत अच्छी पत्नी मानी जाती है। जो स्त्री हमेशा दूसरों की भलाई के बारे में सोचती है और आध्यात्मिक मार्ग पर चलती है, वह महान गुणों वाली पत्नी मानी जाती है। गरुड़ पुराण कहता है कि जिस पत्नी में ये सभी गुण हों वह सर्वश्रेष्ठ होती है।

शुद्धता

गरुड़ पुराण के अनुसार, जो महिलाएं केवल अपने पति के बारे में सोचती हैं और केवल अपने पति से प्यार करती हैं, वे अपने पतियों के लिए सौभाग्य लाती हैं। जो महिलाएं किसी दूसरे पुरुष के बारे में सोचती भी नहीं वह भाग्यशाली मानी जाती हैं। ऐसी पत्नियों वाले घर में हमेशा खुशहाली बनी रहती है।

संयमित भाषा

हर गुस्सैल पत्नी को अपने पति से हमेशा नरमी से बात करनी चाहिए। जो पत्नियां अपने पतियों से संयमित भाषा में बात करती हैं, वे अपने पतियों की बहुत प्रिय होती हैं। यह बात पति और पत्नी दोनों पर लागू होती है। जो पति घर के हर मामले में अपनी पत्नी की सलाह मानते हैं और अपनी पत्नी के साथ प्यार से पेश आते हैं, उन घरों में आपसी सौहार्द बना रहता है।

त्यूणी महाविद्यालय के छात्रों ने पुन: पकड़ी आंदोलन की राह

विकासनगर। जौनसार बावर क्षेत्र की बदहाल शिक्षा व्यवस्था समेत राजकीय महाविद्यालय त्यूणी की समस्याओं को लेकर छात्र छात्राओं ने एक फिर आंदोलन शुरू कर दिया है। बीते दिनों क्षेत्रीय विधायक के आश्वासन पर आंदोलन स्थगित करने वाले छात्रों का कहना है कि उनकी मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। छात्र-छात्राओं ने शिक्षा के क्षेत्र में सपोर्ट नहीं, राजनीति में हमारा वोट नहीं के स्लोगन के साथ शुक्रवार से महाविद्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

तहसील त्यूणी क्षेत्र के प्राइमरी से लेकर माध्यमिक स्तर और महाविद्यालय त्यूणी में शिक्षकों व संसाधनों की कमी को लेकर छात्रसंघ अध्यक्ष आदित्य जोशी के नेतृत्व में छात्र छात्राओं ने अगस्त माह की शुरुआत में आंदोनल शुरू किया था। तब दस दिन तक चले आंदोलन को क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह से मांगों के समर्थन में आश्वासन मिलने के बाद समाप्त कर दिया गया था। लेकिन अब तक मांगों के सबंध में शासन प्रशासन स्तर पर संज्ञान न लिए जाने से छात्र छात्राओं में आक्रोश बढ़ गया है। गुस्साए छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को कॉलेज खुलते ही गेट पर धरना शुरू कर दिया। प्राचार्य डॉ. अंजना श्रीवास्तव ने तालाबंदी न करने को लेकर छात्र-छात्राओं को काफी मनाया, लेकिन छात्र छात्राएं धरना प्रदर्शन करने पर अड़े रहे।

उत्तराखंड : फ्लाईओवर के नीचे बनेंगे बैडमिंटन, बास्केटबॉल कोर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 02 सितम्बर : हरिद्वार में जैसे-जैसे पर्यटन बढ़ रहा है वैसे-वैसे ही सरकार शहर के डेवलपमेंट और सौंदर्यीकरण पर और ज्यादा फोकस कर रही है। इसी कड़ी में अब हरिद्वार में एक और अनोखी चीज जुड़ने जा रही है। जी हां, अब हरिद्वार में फ्लाईओवर और पुलों के नीचे बच्चे खेलते नज़र आएंगे।

यहां फ्लाईओवर और पुलों के नीचे बच्चों के खेलने के लिए बास्केटबॉल कोर्ट और पार्क बनाए जाएंगे।हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण की ओर से हरिद्वार में उत्तराखंड का पहला ऐसा पार्क और कोर्ट तैयार होगा जो फ्लाईओवर के नीचे होगा। इसमें बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोट, फुटबॉल कोट, पार्किंग, गार्डन समेत स्केटिंग रिंग बनाई जाए। शंकराचार्य चौक फ्लाईओवर के नीचे बास्केटबॉल कोर्ट समेत अन्य कोर्ट बनाए जाएंगे।दूसरे चरण

साभार - सो.मी.

में सप्तऋषि से लेकर दूधाधारी चौक के फ्लाईओवर के नीचे इसे बनाया जाएगा। इसमें कुल 8 कोर्ट होंगे। चार सितंबर को हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक है, जिसमें मुख्य द्वार के प्रोजेक्ट को सबके सामने विस्तृत रूप से रखा जाएगा, साथ ही पार्किंग लेख लेकर तैयार की गई योजना सामने रखी जाएगी। शहर के विकास में सरकार की यह पहला शानदार साबित होगी जिससे कई लोगों को खेलने का एक बेहतरीन स्थान मिल जाएगा।

पिथौरागढ़ : रक्षाबंधन के दिन बुझ गया घर का चिराग, सड़क हादसे में युवक की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 02 सितम्बर : एक ओर जहां पूरा देश रक्षाबंधन मना रहा है, वहीं त्योहार के इस मौके पर उत्तराखंड के एक घर में मातम पसर गया। पिथौरागढ़ में हुए दर्दनाक हादसे में 19 साल के युवक की मौत हो गई, जबकि उसका 18 वर्षीय साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद पीड़ित परिवार में कोहराम मचा है। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसा जिला मुख्यालय से सटे धमोड़ क्षेत्र में हुआ। यहां स्कूटी सवार दो युवक घाट से पिथौरागढ़ की ओर जा रहे थे, तभी बीच रास्ते में घाट की तरफ जा रहे कैंटर की स्कूटी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए, स्कूटी सवार

युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं स्कूटी सवार दूसरा युवक भी हादसे में गंभीर रूप से घायल है। इस सड़क हादसे के बाद कैंटर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान बालाकोट थरकोट निवासी 19 वर्षीय राहुल पुत्र रविंदर के रूप में हुई।

संक्षिप्त खबरें

अतिक्रमण हटाने से पहले व्यापारियों को विस्थापित करें

हल्द्वानी। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने हाईवे पर बसे व्यापारियों को उजाडने से पहले बसाने की मांग को लेकर एसडीएम परितोष वर्मा के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा। जिसमें उन्होंने हाईवे पर बसे व्यापारियों को उजाडने का विरोध किया। कहा, उन्हें उजाडना न्यायसंगत नहीं है। जहां पर अति आवश्यक है वहां के व्यापारियों को पहले विस्थापित किया जाए। अन्यथा व्यापारी समाज आंदोलन को बाध्य होगा। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा, प्रदेश मंत्री रूपेंद्र नागर, जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता, जिला महामंत्री हर्षवद्धन पांडे, महिला जिला महामंत्री उर्वशी बोरा, रेनू टंडन, सौरभ भट्ट, मधुकर बनोला, संदीप गुप्ता, योगेश शर्मा, मनोज जायसवाल, पवन जोशी, प्रताप जोशी, पवन वर्मा, नीरज गुप्ता, उपेंद्र कनवाल मौजूद रहे।

आउटसोर्स कर्मियों का कार्यबहिष्कार तीसरे दिन भी जारी

हल्द्वानी। पिछले आठ माह से वेतन का भुगतान न होने से गुस्साए वन विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। कर्मी डीएफओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ रहे। कर्मचारियों ने वेतन भुगतान होने तक कार्य बहिष्कार जारी रखने का ऐलान किया। इस दौरान प्रेम सिंह, हरीश चन्द्र, पुष्पा पांडे, गीता देवी, मोहन चन्द्र उप्रेती, विमला देवी, हर्षित जोशी, प्रीती कार्की, चंदू मेहता, नवीन चन्द्र, रमेश पाल, योगेश जोशी, मोहन गिरेवाल, हरीश बेलवाल, विक्रम सिंह, खष्टी भट्ट, नरेन्द्र लाल, भैरव सिंह बोरा, पूरन चन्द्र जोशी, विक्रम रावत, रंजीत सिंह, अमित कुमार, श्रवण सिंह, अमित राणा, रमेश चन्द्र जोशी आदि मौजूद रहे।

भीमताल में बीएसएनएल के स्वीकृत टॉवर जल्द लगाए जाएं

हल्द्वानी। विधानसभा क्षेत्र में बीएसएनएल के एक दर्जन से अधिक टॉवर स्वीकृति के बावजूद अब तक नहीं लग पाए हैं। शुक्रवार को विधायक राम सिंह कैड़ा ने इस संबंध में बीएसएनएल के जीएम संजय प्रसाद तथा अन्य अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर टॉवर लगाने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने को कहा। विधायक कैड़ा ने बताया कि भीमताल विधानसभा क्षेत्र में बेहतर मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार ने ककोड़, पटरानी, कौंता, आम, पदमपुर, बडोन रेंज, अमजड़, डालकन्या, दुदली, अधोड़ा, सुवाकोट, पोखरी, कुण्डलगांव में बीएसएनएल टॉवर स्वीकृत किए हैं। जिला प्रशासन ने प्रति टॉवर दो हजार वर्ग फीट भूमि भी आवंटित कर दी है। लेकिन अब तक टॉवर लगने का कार्य शुरू तक नहीं हो पाया है।

रेरा के खिलाफ किसानो का हस्ताक्षर अभियान

हल्द्वानी। जमीनों की खरीद और बिक्री के लिए लागू किए गए रेरा कानून के विरोध में किसान हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं। शुक्रवार को किसानों ने सीतापुर गौलापार में बैठक का आयोजन कर निर्णय लिया कि जल्द ही कानून वापस नहीं लिए जाने पर महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि किसानो की जमीनों को हड़पने के लिए रेरा कानून को लाया गया है। इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मौके पर ललित जोशी, महेश शर्मा, संध्या डालाकोटी, बलजीत सिंह, राजेंद्र सिंह, मदन सिंह मौजूद रहे।

छह खिलाड़ी राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए चयनित

हल्द्वानी। दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल में 17वीं अंडर-9 व अंडर-19 राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन में किया गया। देवभूमि चेस एसोसिएशन के माध्यम से आयोजित प्रतियोगिता में अंडर-9 में दो और अंडर-19 प्रतियोगिता में चार खिलाडियों चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। इस अवसर पर एसपी सिटी हरबंश सिंह, संजीव चौधरी, प्रबंधक समित टिक्कू, स्मृति टिक्कू, मृत्युंजय सिंह, प्रधानाचार्य रूपक पांडे आदि मौजूद रहे।

खटीमा गोलीकांड के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हल्द्वानी। चिह्नित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति ने शुक्रवार को तिकोनिया में खटीमा गोलीकांड में शहीद हुए आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। कहा, प्रदेश में रही सभी सरकारें पलायन रोकने में नाकाम हो गई है। जिससे राज्य बनने का फायदा यहां के लोगों को नहीं मिल पाया है। मांग की गई की राज्य की अवधारणा के अनुसार नितियों का निर्माण किया जाए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी को धूमधाम से मनाएगी चमोली पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 2 सितंबर , हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व को धूमधाम मनाये जाने व हेतु पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल ने पुलिस कार्यालय स्थित सभागार में श्री कृष्ण जन्माष्टमी की व्यवस्थाओं के संबंध में सम्बन्धित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गयी। आयोजन को सफल बनाने के लिए समीक्षा करते हुए दिशा-निर्देश दिए हैं।

1. पुलिस अधीक्षक द्वारा पूर्व व्यवस्थाओं के बारे में अधिकारियों से चर्चा करते हुए शेष तैयारियों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।

2. समस्त कोतवाली/थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाने की झांकियाँ लगाने के निर्देश दिए गए।

3. प्रभारी निरीक्षक थाना गोपेश्वर को प्रवेश एवं निकासी द्वारों

पर भीड़ को नियत्रित करने एवं निरंतर आवागमन बनाये रखने हेतु महिला व पुरुष पुलिस कर्मियों को नियुक्त करने हेतु निर्देशित किया गया।

4. सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस बल की तैनाती आवश्यकतानुसार की जाये।

5. सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए रात्रि भोजन या सूक्ष्म जलपान व लाने एवं ले जाने हेतु वाहन की व्यवस्था करने हेतु प्रतिसार निरीक्षक चमोली को निर्देशित किया गया।

6. आयोजन के दौरान सम्पूर्ण कार्यक्रम स्थल पर ड्रोन की सहायता से नजर रखी जायेगी ताकि शरारती तत्वों एवं माहौल खराब करने वालों पर उचित कार्यवाही की जा सके।

7. सभी कोतवाली/थानों में भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व को धूमधाम से मनाये जाने हेतु सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है।

इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह, प्रतिसार निरीक्षक चमोली आनन्द सिंह रावत, निरीक्षक अभिसूचना सचिन चौहान, यातायात निरीक्षक प्रवीण आलोक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी करती है तुष्टिकरण की राजनीति : रेखा आर्या

■ बागेश्वर उपचुनाव में मंत्री रेखा आर्या ने बहाया पसीना

न्यूज वायरस नेटवर्क

बागेश्वर , 2 सितंबर , कांग्रेस पार्टी ने सिर्फ देश मे तुष्टिकरण की और लड़ाने की राजनीति की है।कांग्रेस पार्टी ने देश पर 70 साल राज किया और विकास के नाम पर देश व प्रदेश को पीछे धकेलने के साथ छलने का काम किया है।उक्त बातें आज बागेश्वर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास के समर्थन में आयोजित जनसभा में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहीं।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या बीते कुछ दिनों से पार्टी प्रत्याशी पार्वती दास के लिए क्षेत्र में प्रचार प्रसार कर रही हैं।जहां वह सुबह से लेकर देर शाम तक जनसभाएं कर पार्वती दास को वोट देने की अपील कर रही हैं। आज भी उन्होंने भतरौला,तल्ला बिलौना,मंडल ऐरा वानरी,मंडल ऐरा भुल्यूडा,घटबगड़ क्षेत्रो में जनसभाएं व नुक्कड़ सभाएं की।इस दौरान उन्होंने सभी

से आगामी 5 सितंबर को होने जा रहे उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताने की अपील की ।कहा कि स्वर्गीय चंदन राम दास जी के अधूरे सपनों को अगर कोई पूरा कर सकता है तो वह पार्वती दास ही है।कहा कि यह चुनाव अन्य चुनावों से बिल्कुल अलग है,यह चुनाव दुखपूर्ण है क्योंकि हमने और बागेश्वर की जनता ने अपने विकास पुरुष को खोया है, ऐसे में हम सब की यह जिम्मेदारीऔर अधिक बढ़ जाती है कि हमसब अब उनकी धर्मपत्नी को भारी बहुमत से जिताकर विधानसभा पहुंचाये।इस अवसर पर नगर अध्यक्ष बागेश्वर भाजपा श्री रमेश तिवारी जी,वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री प्रमोद मेहता जी, नगर उपाध्यक्ष श्री महेश नेगी जी,नगर मंत्री श्रीमती बसन्ती देवी जी,बूथ अध्यक्ष श्री प्रमोद लाल जी सहित पार्टी कार्यकर्ता, देवतुल्य स्थानीय जनता व मातृशक्ति उपस्थित रही।

नशा मुक्ति केन्द्रों को स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार की वार्निंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 सितंबर , राज्य सचिवालय में स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार की अध्यक्षता में मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। राज्य में मानसिक स्वास्थ्य नियमावली के लागू हो जाने के बाद यह काफी महत्वपूर्ण बैठक रही जिसमें अध्यक्ष राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण/सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण से जुड़े कई बड़े फैसलों पर मुहर लगी। अध्यक्ष मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण डॉ आर राजेश कुमार ने कहा राज्य में संचालित सभी सरकारी एवं गैरसरकारी मानसिक स्वास्थ्य संस्थानो एवं नशा मुक्ति केन्द्रो को 03 माह के भीतर राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण में अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराना होगा। ऐसा नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

डॉ आर राजेश कुमार ने बताया मानसिक स्वास्थ्य देख-रेख (राज्य मानसिक स्वस्थ्य प्राधिकरण, उत्तराखण्ड) विनियमावली 2023, उत्तराखण्ड मानसिक स्वास्थ्य देख-रेख (मानसिक रूगणता से ग्रसित व्यक्तियो के अधिकार), 2023, मानसिक स्वास्थ्य स्थापना एवं नशा मुक्ति केन्द्रो की स्थापना एवं संचालन हेतु न्यूनतम मानक का गजट उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रकाशित किया जा चुका है। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार प्रिन्ट मीडिया एवं टैली मीडिया के माध्यम से कराये जाने के निर्देश दिये गये ताकि आम जनता मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियो के अधिकारो से परिचित हो सके एवं मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एंव नशा मुक्ति केन्द्र इनके अनुरूप अपने केन्द्रो को संचालित करे एवं मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियो के अधिकारो की सुरक्षा करे।अध्यक्ष मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण डॉ आर राजेश कुमार ने कहा राज्य के समस्त 07 मानसिक स्वास्थ्य पुनविलोकन बोर्डों के सरकारी एवं गैर सरकारी सदस्यो एवं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत एन0जी0ओ0 के सदस्यों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये गये ताकि वे मानसिक रोग से ग्रस्त व्याक्तियों के अधिकारो के लिये वेहतर तरीके से कार्य कर सके ।

इस महत्वपूर्ण बैठक में महावीर सिंह चौहान, सयुक्त सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य मुख्य कार्यकारी अधिकारी राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण डा० डा० भागीरथी जंगपांगी, डा० अमनदीप सिंह, डा० के०एस० नेगी, संयुक्त निदेशक, डा० मयंक बडोला, डा० विनय शर्मा, अनिल सती, रहेश राणा, एन0जी0ओ0 के सदस्य अतुल गुडविन सिंह, लक्ष्मण बालन,पवन रेखा, आदि ने प्रतिभाग किया एवं वर्चुवल माध्यम से डा० रवि गुप्ता डा० राकेश कुमार, डा० प्रियरजन अविनाश ने प्रतिभाग किया।

भारत का अनोखा गांव, जहां जूते-चप्पल नहीं पहनते लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 सितम्बर : भारत विविध संस्कृतियों का देश है. यहां आपको कई ऐसे गांव मिलेंगे, जहां के अपने नियम कानून हैं. कुछ दिनों पहले हमने बताया था कि हिमाचल प्रदेश में एक गांव है, जिसका अपना कानून है. वहां देश का संविधान भी एक तरह से लागू नहीं होता. वहां के लोग नियम के इतने पक्के हैं कि बाहरियों से हाथ तक नहीं मिलते. आज हम ऐसे ही एक और गांव के बारे में आपको बताने जा रहे हैं. यहां लोग जूते-चप्पल नहीं पहनते. यहां तक कि बाहर से आने वाले लोगों पर भी यही नियम लागू होता है.

हम बात कर रहे हैं आंध्र प्रदेश के गांव वेमना इंदलू की. तिरुपति से 50 किलोमीटर की दूर पर स्थित इस गांव में 25 परिवार रहते हैं. गांव की कुल आबादी 80 लोगों की है. गांव वैसे तो काफी छोटा है लेकिन यहां के नियम और परंपराएं अनोखी हैं. गांव में ज्यादातर परिवार अशिक्षित है और पूरी तरह खेती किसानी पर ही ही निर्भर है. कहा जाता है कि

साभार - सो.मी.

गांव वाले किसी अफसर से ज्यादा अपने देवता और सरपंच की बात मानते हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यहां पटवेकरी समुदाय से जुड़े लोग रहते हैं और अपनी पहचान दोरावारलू के रूप में करते हैं. आंध्र प्रदेश में इस जाति को पिछड़े वर्ग में रखा गया है. अब बात यहां के नियमों की, तो बता दें कि यहां का कोई भी शख्स अस्पताल नहीं जाता. उनका मानना है कि ईश्वर जिनकी वे पूजा करते हैं, वह सब संभाल लेंगे. लोग तिरुपति भगवान वेंकटेश्वर की पूजा करने भी नहीं जाते, क्योंकि गांव में ही एक मंदिर है, जिसमें वे पूजा करते हैं. जब बीमार होते हैं तो यहां नीम का एक वृक्ष है, उसकी परिक्रमा करते हैं. मंदिर की परिक्रमा करते हैं पर अस्पताल नहीं जाते.

सितंबर में किस राज्य में कितने दिन बैंक रहेंगे बंद? नोट करें डिटेल्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 सितम्बर , अगर आप भी बैंक जाकर तसल्ली के साथ अपना वित्त संबंधी काम निपटाना चाहते हैं तो सितंबर महीने में रहने वाले अवकाश के बारे में भी जान लीजिए वरना आपको दिक्कत हो सकती है। दरअसल, इस महीने त्योहारों पर तो छुट्टियां हैं हीं, साथ कई दिवस ऐसे में जिन पर बैंकों में अवकाश रहेगा। दिल्ली की बात करें तो यहां पर 8,9 और 10 सितंबर को स्कूलों के साथ कुछ बैंकों भी अवकाश रहेगा। इस लिहाज से दिल्ली वालों को अधिक सतर्क रहना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सितंबर महीने में छुट्टियों का ऐलान कर दिया गया है। इसके मुताबिक, 30 दिन वाले सितंबर महीने में कुल 16 दिन बैंकों में अवकाश रहेगा। ऐसे में उपभोक्ताओं को इन छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए ही अपने वित्त संबंध कामकाज निपटाने होंगे। ये छुट्टियां स्थानीय त्योहारों के अनुसार भी हैं।

साभार - सो.मी.

लगातार तीन दिन बैंक रहेंगे बंद

त्योहारी सीजन के चलते पूरे सितंबर महीने में बैंकों में छुट्टियों की भरमार है। इन 30 दिनों के दौरान कई त्योहार और अहम दिवस हैं, जिन पर बैंकों में अवकाश रहेगा। उधर, 18, 19 और 20 सितंबर को लगातार 3 दिन तक बैंकों में अवकाश रहेगा।इतना ही नहीं, 27, 28 और 29 सितंबर को भी 3 दिन तक बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में लोगों को इनका ध्यान रखते हुए अपनी योजना बनानी होगी। कुल मिलाकर सितंबर के दूसरे पखवाड़े में यानी 15 दिन में 6 दिन बैंकों में अवकाश रहेगा। सितंबर महीने में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, नुआखाई श्री नारायण गुरु समाधि दिवस, महाराजा हरि सिंह जी का जन्मदिन, श्रीमंत शंकरदेव का जन्मोत्सव, मिलाद-ए-शरिफ (पैगंबर मोहम्मद का जन्मदिन), इंद्रजात्रा के के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे. आरबीआई के अनुसार राज्यवार छुट्टियों में परिवर्तन हो सकता है.

03 सितंबर को दिल्ली-एनसीआर समेत समूचे देशभर में रविवार के चलते बैंकों में अवकाश रहेगा।

06 सितंबर को हिंदुओं के प्रमुख त्योहार के तौर पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी, इसके चलते उड़ीसा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के साथ बिहार में भी बैंकों में अवकाश रहेगा।

7 सितंबर को कुछ राज्यों श्री कृष्ण अष्टमी मना जाएगी, जिसमें दिल्ली-एन-सीआर भी शामिल है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, श्रीनगर, गुजरात, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़, सिक्किम, मेघालय, राजस्थान, जम्मू, बिहार और छत्तीसगढ़ के अलावा झारखंड में भी बैंक बंद रहेंगे।

8 सितंबर को दिल्ली में G-20 सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसलिए बैंकों में अवकाश रहेगा।

10 सितंबर को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे।

17 सितंबर को भी रविवार होने से बैंकों में अवकाश रहेगा।

18 सितंबर को विनायक चतुर्थी हैं, ऐसे में कर्नाटक के अलावा तेलंगाना में भी बैंकों अवकाश का ऐलान पहले से ही हो गया है।

19 सितंबर को उत्तर भारत समेत कई जगहों पर गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इसके चलते तमिलनाडु और गोवा के अलावा, गुजरात, महाराष्ट्र और उड़ीसा में बैंक बंद रहेंगे।

20 सितंबर को गणेश चतुर्थी त्योहार का दूसरा दिन होगा और इसके अंतर्गत नुआखाई के कारण उड़ीसा और गोवा में बैंकों में अवकाश की घोषणा हो चुकी है।

Badarpur Toll Plaza: दिल्ली से फरीदाबाद आना-जाना हुआ महंगा, नोट करें कार समेत अन्य वाहनों के टोल रेट

22 सितंबर को श्री नारायण गुरु समाधि दिवस पर दक्षिण भारत के अहम राज्य केरल में बैंक बंद होने का ऐलान हो चुका है।

23 सितंबर को चौथा शनिवार है। महाराजा हरि सिंह का जन्मदिन होने के कारण जम्मू और श्रीनगर में बैंकों में अवकाश रहेगा।

24 सितंबर को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे।

25 सितंबर को असम में बैंक बंद रहेंगे, क्योंकि श्रीमंत शंकरदेव की जयंती मनाई जानी है।

27 सितंबर को मिलाद-ए-शरिफ यानी पैगंबर मोहम्मद का जन्मदिन होता है। इस तारीख को जम्मू-कश्मीर और केरल राज्य में बैंकों में छुट्टी घोषित है।

28 सितंबर को ईद-ए-मिलाद या ईद-ए-मिलादुन्नबी पर मिजोरम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तनिल नाडु, उत्तरा खंड, तेलंगाना, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, झारखंड गुजरात और छत्तीसगढ़ में अवकाश रहेगा।

29 सितंबर को ईद-ए-मिलाद-उल-नबी के बाद इंद्रजात्रा हैं, ऐसे में जम्मू-कश्मीर के अलावा, सिक्किम में भी बैंक बंद रहेंगे।

आपको भी आती है बहुत नींद शरीर में कमी के संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 सितंबर , शरीर को स्वस्थ रहने के लिए कम से कम सात से आठ घंटे की नींद लेनी जरूरी है। और आप हर दिन 6 घंटे से भी कम सोते हैं या 8 घंटे से भी बहुत ज्यादा सोते हैं, तो ये सेहत के लिए हानिकारक हो सकता हैं। कम सोने का कारण देर तक मोबाइल चलाना या लगातार टीवी देखना, या फिर कोई शारीरिक समस्या के कारण जल्दी नींद नहीं आती है। लेकिन, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें सारा दिन नींद ही नींद आती रहती है या उबासी महसूस होती रहती है। बार-बार नींद आती है या सोने का मन करता रहता है, तो इस समस्या को हाइपर-सोम्निया कहा जाता है। 7-8 घंटे नींद लेने के बाद भी जब आपको नींद आती रहती है, तो यह एक तरह से स्लीप डिसऑर्डर है।

क्या है हाइपरसोम्निया

हाइपरसोम्निया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें आपको दिन के समय भी अधिक नींद महसूस होती है। हाइपरसोम्निया एक प्राइमरी या सेकेंडरी स्थिति हो सकती है। जिन लोगों को हाइपरसोम्निया आने की समस्या होती है, उन्हें दिन में किसी भी काम को करने में परेशानी हो सकती है, क्योंकि वे अक्सर थका हुआ महसूस करते हैं।

अधिक नींद आने का कारण

प्राइमरी हाइपरसोम्निया कई बार ब्रेन के सिस्टम में समस्याओं के कारण होता है, जो नींद और जागने को कंट्रोल करते हैं। वहीं, सेकेंडरी हाइपरसोम्निया में थकान नींद का कारण बनती हैं। कुछ दवाओं के सेवन से भी हाइपरसोम्निया का कारण बन सकता हैं। नशीली दवाओं और शराब के सेवन से दिन में नींद आ सकती है।

हाइपरसोम्निया के लक्षण

कम शारीरिक ऊर्जाचिड़चिड़ा महसूस करनाएंग्जायटीभूख में कमीदिन भर नींद आते रहनाकिसी भी चीज को याद रखने में परेशानी होनाबेचैनी महसूस करना

ज्यादा सोने से बचने के उपाय

रात में हल्का खाना खाएंशराब, स्मोकिंग की आदत को कम कर देंसोने का टाइम फिक्स करेंवजन पर कंट्रोल रखेंअच्छा खानपानसोने के कमरे का वातारण शांत होदेर तक जागकर काम ना करे।

कैसे तय करें कब आपके बच्चे को चाहिए ट्यूशन, पढ़िए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 सितम्बर : हम में से ज्यादातर लोगों का मानना है कि बच्चे को ट्यूशन दिलाया जाना इसलिए जरूरी है क्योंकि बच्चा स्कूली शिक्षा के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा है, लेकिन असल में यह एक आम गलतफहमी है। बच्चे को ट्यूशन दिलाया जाना न केवल उसके पढ़ाई-लिखाई के नतीजों को बेहतर बनाता है बल्कि किसी विषय की पूरी और व्यवहारिक समझ भी देता है, जो आमतौर पर स्कूली शिक्षा के जरिए मुमकिन नहीं होता लेकिन इसके अलावा और भी वजहें हैं जिनकी वजह से बच्चे को ट्यूशन दिलाया जाना जरूरी हो जाता है।

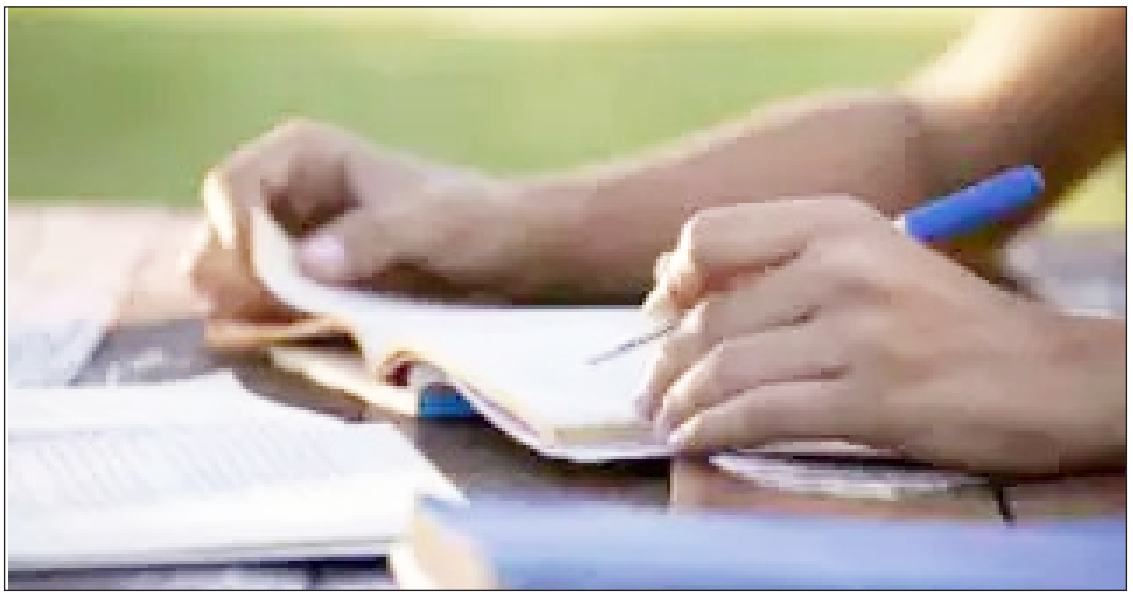

यह एक जानी-मानी बात है कि माता-पिता जितना ज्यादा अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में दिलचस्पी लेते हैं, बच्चों का प्रर्दशन और स्कूली नतीजे उतने ही अच्छे होते हैं। पर आजकल के भाग-दौड़ भरे जीवन, माता-पिता के कामकाजी होने और एकल परिवार जैसी वजहों से ज्यादातर पैरेंट्स न तो बच्चों की अच्छी परवरिश पर ध्यान दे पाते हैं और न ही उनकी पढ़ाई-लिखाई पर। ऐसी स्थिति में बच्चे को ट्यूशन दिलाया जाना बेहतर होता है। रोजाना होमवर्क में बच्चे को स्कूल में पढ़ाई गई चीजें शामिल होती हैं और यह बच्चे को उन चीजों को दोहराने और उनका अभ्यास करने का सबसे बेहतर जरिया होता है। इसके अलावा यह बच्चे को किसी विषय को स्कूल के तय समय से ज्यादा देर तक पढ़ने और जानकारी हासिल करने का मौका भी देता है पर देखने में आता है कि बहुत से बच्चे होमवर्क पूरा करने को लेकर संजीदा नहीं होते और और पूरा समय खेलने-कूदने या दूसरे कामों को करने में बर्बाद कर देते हैं। ट्यूशन के जरिए बच्चे को होमवर्क पूरा करने की आदत में सुधार लाया जा सकता है।

अक्सर देखने में आता है कि बच्चे किसी खास विषय में बहुत कमजोर होते हैं। स्कूल में पर्याप्त ध्यान दिए जाने के बावजूद यदि उस विषय में बच्चे के प्रर्दशन में सुधार न हो तो इसका मतलब है कि बच्चे को अतिरिक्त सहायता की जरूरत है।

ऐसे में बच्चे को उस विषय के किसी विशेषज्ञ शिक्षक के जरिए ट्यूशन दिलाया जाना चाहिए जिससे बच्चे की कठिनाईयों को दूर करके बच्चे को उस विषय में निपुण बनाया जा सके। बच्चे की अच्छी पढ़ाई-लिखाई में एक कुशल और अच्छे शिक्षक का अहम किरदार होता है। स्कूलों में अच्छे टीचर्स को लेकर की गई जांचों में पाया गया है कि शुरुआती शिक्षा के समय अयोग्य और अकुशल शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाना बच्चे को उसकी वास्तविक काबिलियत को हासिल करने और निखरने से रोक देता है। अगर आपको बच्चे के स्कूल में शिक्षा और शिक्षकों के स्तर को लेकर किसी तरह का संदेह हो तो इससे बचने के लिए बच्चे को ट्यूशन दिलाना जरूरी हो सकता है।

आज है विश्व नारियल दिवस, जानिए क्या है अहमियत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 सितंबर , हिंदू धर्म में नारियल को महत्वपूर्ण माना गया है. पूजा-पाठ, विशेष अनुष्ठान और शुभ कार्यों में इसका इस्तेमाल किया जाता है. नए कार्य का शुभारंभ हो, शादी-विवाह हो, तीज-त्योहार हो या पूजा-व्रत सभी में नारियल का महत्व होता है. लेकिन केवल धार्मिक दृष्टिकोण ही नहीं बल्कि आर्थिक और स्वस्थ्य की दृष्टि से भी नारियल का भी खास महत्व है. एशियाई प्रशांत नारियल समुदाय के गठन के उपलक्ष्य में हर साल 02 सितंबर को विश्व नारियल दिवस के रूप में मनाया जाता है.

विश्व नारियल दिवस का इतिहास

सबसे पहली बार 2009 में विश्व नारियल दिवस मनाया गया था. इस दिन को एशियाई और प्रशांत नारियल समुदाय द्वारा उत्साह के साथ मनाया जाता है. नारियल दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में नारियल की खेती के बारे में लोगों को जागरुक करना है. 'नारियल' पुर्तगाली शब्द 'कोको' और 'अखरोट' के मेल से बना है. इंडोनेशिया के बाद भारत दुनिया के सबसे बड़े नारियल निर्यातकों मे से एक है.

नारियल का धार्मिक महत्व

भारतीय धर्म-संस्कृति में नारियल का खास महत्व है. हिंदू धर्म में इसे 'श्रीफल' भी कहा जाता है. हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान नारियल चढ़ाने या फोड़ने की मान्यता है. इसे पूजा सामग्री के रूप में शामिल किया जाता है. पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु जब पृथ्वी पर अवतरित हुए थे तब वे मां लक्ष्मी और कामधेनु गाय के साथ नारियल को भी लेकर आए थे. इसलिए नारियल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' कहा जाता है. कहा जाता है कि, नारियल में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है. एक अन्य मान्यता के अनुसार, विश्वामित्र ने नारियल को मानव रूप में तैयार किया था. एक बार विश्वामित्र इन्द्र देव से नाराज होकर दूसरे स्वर्गलोक का निर्माण करने लगे थे. दूसरी सृष्टि का निर्माण करते हुए उन्होंने मानव रूप में नारियल का निर्माण किया. इसलिए नारियल के खोल पर बाहर दो आंखें और एक मुख की रचना है.

नारियल के उपाय

हिंदू धर्म में नारियल से जुड़े कई उपायों के बारे में भी बताया गया है. इन उपायों को करने से आप पारिवारिक, आर्थिक और दांपत्य जीवन में चल रही परेशानियों से मुक्ति पा सकते हैं. आइये जानते हैं नारियल से जुड़े उपायों के बारे में.कर्ज मुक्ति के लिए: चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर इससे नारियल पर स्वास्तिक का चिह्न बनाएं. इसके बाद इसे भगवान हनुमान जी के चरणों में अर्पित कर दें और साथ ही ऋणमोचक मंगल स्त्रोत का पाठ करें. इस उपाय को करने से तुरंत लाभ होता है और कर्ज से मुक्ति मिलती है.

व्यापार में तरक्की के लिए:

व्यापार में लगातार घाटा हो रहा है तो इसके लिए आप गुरुवार के दिन सवा मीटर पीले रंग के कपड़े में एक नारियल को लपेट दें. इसे एक जोड़ा जनेऊ, सवा पाव मिठाई या भोग के साथ भगवान विष्णु के मंदिर में संकल्प के साथ चढ़ा दें. इससे ठप पड़े व्यापार में मुनाफा होने लगता है.

आर्थिक लाभ के लिए:

आर्थिक परेशानी बनी हुई है, धन संचय नहीं हो रहा है या हमेशा पैसों की कमी बनी रहती है तो इसके लिए आप शुक्रवार के दिन एक जटा वाला नारियल, गुलाब फूल, कमल फूल माला, सवा मीटर गुलाबी, सफेद वस्त्र, सवा पाव चमेली, दही,सफेद भोग और एक जोड़ा जनेऊ के साथ इसे मां लक्ष्मी को चढ़ा दें. इसके बाद घी के दीपक और कपूर से मां लक्ष्मी की आरती करें और श्रीकनकधारा स्त्रोत का पाठ करें. इस उपाय को करने से आर्थिक समस्याओं से निजात मिलता है.

पूर्व विस उपाध्यक्ष चौहान के नेतृत्व में पीडब्लूडी के अधीक्षण अभियंता से मिला शिष्टमंडल

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जनपद में हो रहे अतिक्रमण चिन्हीकरण के खिलाफ पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता से मुलाकात कर चिन्हीकरण का विरोध दर्ज कराया गया। वार्ता के दौरान रघुनाथ सिंह चौहान ने कहा कि आज भी कई सडक़ ऐसी हैं जिनका मालिकाना हक लोक निर्माण विभाग के पास नहीं है लेकिन आम जनमानस को डराने के लिए शहर के आसपास और ग्रामीण क्षेत्र में चिन्हीकरण कर लोगों में भय फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग जबरदस्ती लोगों के घरों के अंदर घुस चिन्हीकरण कर रहा है जो कि गलत है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारतीय जनता पार्टी की सरकार जनहित के कई फैसले कर रही है और अधिकारी कर्मचारी सरकार के कार्यों पर मिट्टी डालने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा जनता में जहां भय का माहौल है वहीं गुस्सा भी व्याप्त है। इसलिए कर्मचारियों अधिकारियों को सही निर्णय लेने चाहिए।

उन्होंने कहा कि बरसों से लोग जिन मकानों में रह रहे हैं वह अब अवैध कैसे घोषित किया जा रहे हैं। इसलिए अधिकारी कर्मचारी अपना कार्य ईमानदारी के साथ करें। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी इस विषय में अपनी बात रख चुके हैं और सरकार इस विषय पर उचित फैसला लेकर आम जनमानस को राहत देने का कार्य करेगी यह भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कहा जा चुका है। वार्ता करने वालों में दीप सिंह डांगी, चंद्र किरण बिष्ट, सभासद अमित साह मोनू, विनीत बिष्ट, हरीश कनवाल, प्रकाश बिष्ट, नवीन बिष्ट, राहुल बिष्ट, मनोज लटवाल, चंदन रावत आदि लोग रहे।

संपादकीय

उच्च शिक्षा की कसौटी पर

औचित्य और अनुचित के बीच यूं तो महीन सा फर्क भी काफी सताता है, फिर भी सियासत के छबील अपनी खुशामद में संसाधनों की बेकद्री करते रहते हैं। हिमाचल में औचित्य को साबित किए बिना राजनीति ने ऐसी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी कि लगातार सरकारों ने प्रदेश के सिर पर ऐसी विफलताओं की परिभाषा को स्थायी स्वरूप दे दिया। ऐसे में अनुचित की दुरुस्ती को यहां अपराध मान लिया या औचित्यहीनता के समानांतर ऐसे अनेक फलसफे चुन लिए। ताजातरीन उदाहरण मंडी में स्थापित किए गए एसपीयू विश्वविद्यालय के औचित्य को लेकर सामने आ रहा है, जहां उच्च शिक्षा के प्रबंधन की उचित कसौटी तय हो रही है। जिस तेजी से मंडी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी, उससे स्थापित शिक्षण की परंपराएं भी चकित थीं। उस दौर की प्राथमिकता में नए विश्वविद्यालय को दौड़ाने की हर संभव कोशिश हुई और शिक्षा अपने बंटवारे की सतह पर हतप्रभ थी। चंद दिनों की मुनादी ने शिमला विश्वविद्यालय के अस्तित्व को इतना हलाल किया कि प्रदेश के कई बड़े महाविद्यालय भी चीख उठे। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ। जब हमीरपुर में तकनीकी विश्वविद्यालय बना, तो प्रदेश के इंजीनियरिंग व बीएड कालेज उखड़ रहे थे। जब मंडी में मेडिकल यूनिवर्सिटी बन रही थी,तो अधिकांश सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय उचित फैकल्टी के लिए तरस रहे थे। यह तो गनीमत है कि संस्कृत और डिजीटल विश्वविद्यालयों की खेप उतरी नहीं, वरना हिमाचल का किरदार तो आकाश में झंडों की तरह सिर्फ हवा के दम पर फहराना चाहता है। बहरहाल मंडी विश्वविद्यालय को ऐसी सीमा रेखा पर खड़ा किया जा रहा है, जिसे आगे सिर्फ तीन जिलों की शिक्षा की अमानत मिलेगी। भविष्य में मंडी, कुल्लू व लाहुल-स्पीति के कालेज ही इस विश्वविद्यालय के औचित्य को सिद्ध करेंगे। इसे हम अनुचित को सही करना मानें या औचित्य के हिसाब से देखें, लेकिन कुछ तर्क हमेशा ऐसे फैसलों के पक्ष तो कुछ विपरीत खड़े रहते हैं। जाहिर है मंडी विश्वविद्यालय को परिपक्वता हासिल करने के लिए कुछ समय लगेगा और इसी के साथ शिमला विश्वविद्यालय के पास अपने अतीत के संदर्भों को गांठने का अवसर रहेगा। शिमला बनाम मंडी विश्वविद्यालयों की होड़ ने सत्ता का नजरिया और शिक्षा के प्रति गंभीरता का आकलन किया है। शिमला विश्वविद्यालय से मंडी विश्वविद्यालय की उत्पत्ति से करीब चार दशक पूर्व ही धर्मशाला में विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र स्थापित हो चुका था, लेकिन इस संस्थान को राजनीति निगल गई। इसी तरह धर्मशाला में आया केंद्रीय विश्वविद्यालय राजनीतिक हिस्सेदारी में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में अपनी हद मुकर्रर करता रहा। जदरांगल की प्रस्तावित जमीन के बदले राज्य सरकार को तीस करोड़ जमा कराने हैं, लेकिन शिक्षा की दीवारों पर इसके हक में पोस्टर नहीं लगे। यह दीगर है कि दो या इससे कम संख्या वाले 117 प्राथमिक व 26 मिडल स्कूल सरकार को बंद करने पड़े हैं। अभी कई संस्थान डिनोटिफाई होकर अपने औचित्य की जंग लड़ रहे हैं। हिमाचल का राजनीतिक इतिहास हमें बार-बार सचेत कर रहा है कि औचित्यहीन फैसलों के कारण प्रदेश ने अपने आर्थिक संबल तोड़ डाले हैं। कितने ही औचित्यहीन स्कूल, कालेज, चिकित्सालय, दफ्तर तथा सरकारी उपक्रम संसाधनों की बर्बादी के चिडियाघर बने हुए हैं, जहां जनता सिर्फ सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की तरक्की में राज्य की लाचारी का तमाशा देख रही होती है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

गोपेश्वर के छात्र-छात्राओं ने साइबर पाठशाला में सीखा सुरक्षा का ज्ञान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 2 सितंबर , पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से तथा विभिन्न सामाजिक अपराधों के प्रति जन जागरूकता हेतु लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में साइबर सैल चमोली द्वारा प्रोद्यौगिकी संस्थान गोपेश्वर के "Induction Program" में प्रथम वर्ष के में छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों, इनके करने के तरीके तथा इनसे किस प्रकार बचा जाए आदि के संबंध में विस्तृत रूप से बताया और सोशल मीडिया के सावधा-नीपूर्वक उपयोग करने और अपनी निजी जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति से शेयर ना करने के संबंध में जागरुक किया गया।

साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के अभियान के तहत चमोली पुलिस द्वारा लगातार स्कूल/कॉलेज संस्थानों, प्रमुख बाजारों आदि सार्वजनिक स्थानों पर, बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक के हर जाति वर्ग के लोगों के बीच जाकर उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिये जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान कां0 राजेन्द्र रावत,हे0का0 मनमोहन भंडारी,कां0 आशुतोष तिवारी, कां0 अंकित सैनी व ललित मोहन किमोठी(स्वास्थ्य विभाग) मौजूद रहे।

दून अस्पताल में वार्डों का सिस्टम सुधारने को 16 विशेष अधिकारी नामित

देहरादून। दून अस्पताल की इमरजेंसी, वार्डों, ओपीडी का सिस्टम सुधारने को अस्पताल में 16 विशेष अधिकारी नामित किए गए हैं। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना के आदेश पर एमएस डॉ. अनुराग अग्रवाल, डीएमएस डॉ. धनंजय डोभाल ने एसोसिएट प्रोफेसर स्तर के डॉक्टरों का ड्यूटी रोस्टर बना दिया है। इन डे ऑफिसर की जिम्मेदारी होगी कि वह अस्पताल का रोजाना निरीक्षण कर इमरजेंसी में एक रजिस्टर में यहां समस्या, सुझाव, शिकायत के बारे में उल्लेख करेंगे। इमरजेंसी से ईएमओ उनकी रिपोर्ट को तीनों अधिकारियों को भेजेंगे। जिसका तत्काल समाधान कराने का लक्ष्य रखा गया है। एक सितंबर यानि शुक्रवार से यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। वार्डों में तमाम अव्यवस्थाओं की पोल नर्सिंग स्टाफ ने खोली थी, प्रशासनिक अनुभाग पर उनकी एक नहीं सुनने के आरोप लगाए थे। वहीं, कई कर्मचारियों द्वारा एमएस और डीएमएस को बिना बताए गायब रहने से भी अस्पताल की व्यवस्थाएं बिगड़ी है और कई कार्य अधर में लटके हैं। यह देखेंगे डे ऑफिसरः प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने डे ऑफिसरों को सफाई व्यवस्था, खाने का वितरण, डॉक्टरों के राउंड, नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी, मरीजों को दवा, उपचार, वार्ड में किसी तरह की दिक्कत, सुरक्षाकर्मी की उपस्थिति, तीमारदारों का फीडबैक, लैब में कार्य आदि की जानकारी को निर्देशित किया है। प्राचार्य तक वार्डों में तमाम कार्य पेंडिंग होने, डॉक्टरों के राउंड न करने एवं नर्सिंग अधिकारियों के गैर हाजिर रहने की शिकायतें पहुंचने पर यह कदम उठाया गया है।

सुधार को कड़े कदम उठाने के निर्देशः देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुधार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कड़े कदम उठाने को निर्देशित किया है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने कॉलेज एवं अस्पताल से जुड़े कई अफसरों को बुलाकर समस्याओं और मिली रही शिकायतों पर चर्चा की। मंत्री ने अस्पताल के कई कार्यों को सराहा, तो कई पर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कॉलेज स्तर पर ही सफाई, निर्माण, मरम्मत, मरीजों के उपचार आदि में आने वाली शिकायतों पर कठोर कदम उठाने एवं कार्रवाई को कहा।

दवा से नहीं, मां की लोरी से कम होता है बच्चों का दर्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 सितंबर , भारतीय आध्यात्म में संगीत को ईश्वर की आराधना माना गया है। यह निराशा को उत्साह में बदल कर डिप्रेशन को उड़न छू कर सकता है। हाल ही हुई एक रिसर्च के नतीजों ने भी इस धारणा पर अपनी मोहर लगा दी है। इस रिसर्च में सामने आया है कि म्यूजिक छोटे बच्चों में दर्द के अहसास को खत्म कर देता है या उसे बहुत कम कर सकता है। कुछ लोगों के अनुसार शिशुओं का मस्तिष्क दर्द अनुभव करने के लिए पर्याप्त रूप से विकसित नहीं होता है। परन्तु इस बात को वैज्ञानिकों ने झुठलाते हुए पाया है कि न केवल नवजात शिशु वरन गर्भस्थ शिशु भी वयस्कों की ही तरह दर्द का अनुभव करते हैं।अमेरिका के फिलाडेल्फिया में थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए शोध में पाया गया है कि बच्चों में होने वाला शुरूआती दर्द आगे चलकर उनके लिए लॉन्ग टर्म प्रॉबलम्स खड़ी कर सकता है। इसलिए उनके दर्द को कम करने के लिए टीम ने एक आसान और ज्यादा प्रभावी तरीका ढूंढने पर काम किया। इसके लिए बच्चों में दर्द का आकलन करने का भी कार्य किया गया।

ऐसे किया बच्चों में दर्द का आकलन

शोधकर्ताओं ने शिशु के चेहरे के भाव, रोना, सांस लेने के पैटर्न, शरीर के विभिन्न अंगों के मूवमेंट आदि का गहन अध्ययन किया। टीम के प्रमुख डॉ. सामीनाथन और उनकी टीम ने 100 नवजात शिशुओं के दर्द के स्तर को मापा। 54 शिशुओं को दर्द होने के 20 मिनट पहले, जांच प्रक्रिया के दौरान तथा उसके बाद 5 पांच मिनट तक मोजार्ट लोरी सुनाई गई। इसके बाद एक स्टैण्डर्ड स्कोरिंग सिस्टम के जरिए शिशुओं के दर्द का स्तर मापा गया जो अधिकतम 7 तक पहुंच गया।

म्यूजिक सुनने वालों में था जीरो दर्द स्कोर

रिसर्च में पाया गया कि एडी में चुभन से पहले दोनों ग्रुप्स का स्कोर जीरो था। लेकिन जब एडी में चुभन की गई तो जो बच्चे म्यूजिक सुन रहे थे, उनका दर्द स्कोर बहुत कम था। उनका दर्द स्कोर लगभग चार था जो एक मिनट बाद जीरो हो गया था। लेकिन जिन बच्चों को लोरी नहीं सुनाई गई, एडी में चुभन के दौरान उनका दर्द स्कोर सात था जो एक मिनट बाद साढ़े पांच रह गया।

मां की आवाज में होता है जादू

रिसर्च में पाया गया कि बच्चों को लोरी सुनना बहुत पसंद है और म्यूजिक सुनने से उनका दर्द कम होता है। यही नहीं प्रीमैच्योर बेबी भी मां की आवाज सुनकर दर्द कम अनुभव करते हैं। इसका कारण है कि मां की आवाज सुनने से उनकी लार में ऑक्सीटोसिन का लेवल बढ़ जाता है। यह एक हार्मोन है जो शरीर में दर्द के प्रभाव को कम करता है।

क्या आप जानते हैं क्यों काटते हैं मच्छर? पढ़िए वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 सितंबर , कुछ लोग शिकायत करते हैं कि उन्हें मच्छर बहुत ज्यादा काटते हैं। इसके विपरीत कई लोग कहते हैं कि उन्हें मच्छर कम काटते हैं। हाल ही हुए एक वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि मच्छरों के काटने का सीधा संबंध व्यक्ति के शरीर से आने वाली गंध से होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार मच्छर कुछ खास रसायनों की तरफ ज्यादा आकर्षित होते हैं जबकि शरीर से निकलने वाले कुछ केमिकल्स से वे दूर भागते हैं। इस रिसर्च पेपर को करंट बायोलॉजी जर्नल में पब्लिश किया गया है।

मच्छरों पर की गई रिसर्च, अलग-अलग केमिकल्स का किया प्रयोग

जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ और जॉन्स हॉपकिन्स मलेरिया रिसर्च इंस्टीट्यूट में मोलेक्यूलर माइक्रोबॉयोलाजी एंड इम्यूनोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कोनोर मैकमेनिमन ने कहा कि हम मच्छरों पर रिसर्च कर रहे थे कि किस तरह उन्हें कंट्रोल किया जा सकता है। इसके लिए 20 गुणा 20 वर्ग मीटर के क्षेत्र में सैंकड़ों मच्छरों को फ्री छोड़ा गया। इस दौरान वहां पर एक डमी को सोने की मुद्रा में लेटाया गया। साथ ही उस डमी पर शरीर से निकलने वाले अलग-अलग केमिकल्स को स्प्रे किया गया।

शोधकर्ता 66 फीट (20 मीटर) की दूरी पर गंधों को ट्रैक करने की कीड़ों की

क्षमता का निरीक्षण करने और रात 10 बजे के बीच उनके सबसे सक्रिय घंटों के दौरान उनका अध्ययन करने के लिए विभिन्न मनुष्यों में मच्छरों की गंध वरीयताओं की तुलना करना चाहते थे। इन सभी बक्सों पर टिक करने के लिए, शोधकर्ताओं ने एक स्केटिंग रिंक के आकार की एक स्क्रीनिंग फेसिलिटी बनाई। स्क्रीनिंग फेसिलिटी एरिया को डॉट करते हुए छह स्क्रीन वाले टेंट थे जहां रिसर्च में शामिल डमीज को सुलाया गया। डमीज की श्वांस और शरीर की अलग-अलग गंध को वहां पर रखा गया। साथ ही माहौल को रियलिस्टिक बनाने के लिए फेसिलिटी एरिया में कार्बन डाइऑक्साइड को भी छोड़ा गया।

इन केमिकल्स से दूर भागते हैं मच्छर

रिसर्च में पता चला कि मच्छरों को सबसे ज्यादा एयरबोर्न कार्बोक्जिलिक एसिड ने आकर्षित किया जबकि यूकेलिप्टोल नामक केमिकल और नीलगिरी वृक्ष से प्राप्त होने वाले केमिकल्स से मच्छर दूर ही रहे। आपको बता दें कि हमारी स्किन पर रहने वाले परजीवी बैक्टिरया मच्छरों को आकर्षित करने वाले एयरबोर्न कार्बोक्जिलिक एसिड का प्रचुर मात्रा में निर्माण करते हैं। हालांकि हम इसकी गंध को नहीं पहचान पाते हैं।शोध का नेतृत्व कर रहे वैज्ञानिक डॉ. एडगर सिमुलुंडु ने कहा कि रिसर्च में सामने आए नतीजे वास्तव में चौंकाने वाले थे। उन्होंने कहा कि अलग-अलग लोगों के शरीर की गंध में मौजूद रसायनों और उन गंधों के प्रति मच्छरों के आकर्षण के बीच संबंध खोजना "बहुत दिलचस्प और रोमांचक" था।

सही पोषण व पौष्टिक आहार है जीवन का आधार, जंक से जैविक की यात्रा : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने विदेश की धरती से हैल्दी लाइफस्टाइल जीने का संदेश दिया। नेशनल न्यूट्रिशन वीक (राष्ट्रीय पोषण सप्ताह) का उद्देश्य जनसमुदाय को अपनी हेल्थ के प्रति जागरूक करना है। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि हैल्थ के प्रति जागरूक रहने के साथ उचित, बैलेंस व पौष्टिक आहार ग्रहण करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि पौष्टिक आहार हमारे जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। स्वामी जी ने कहा कि यह समय जंक से जैविक की ओर बढने का है। यह बहुत आवश्यक है कि हम स्वयं और अपने बच्चों को क्या फीड करा रहे हैं इस हेतु जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि सकारात्मक विचार, श्रेष्ठ व्यवहार और पौष्टिक खानपान जीवन के तीन पिलर है इसलिये बेहतर स्वास्थ्य हेतु सुरक्षित व पौष्टिक भोजन अत्यंत आवश्यक है। स्वामी जी ने कहा के जंक से जैविक की यात्रा के लिये हमें जैविक कृषि (ऑर्गेनिक फार्मिंग) को बढ़ावा देना होगा जिस पर संश्लेषित उर्वरकों एवं संश्लेषित कीटनाशकों का अप्रयोग या न्यूनतम प्रयोग किया जाता है इससे उत्तम स्वास्थ्य के साथ भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचाया जा सकता है। भारत में जैविक खानपान कोई नई अवधारणा नहीं है, हमारी जीवनशैली पारम्परिक व प्राकृतिक थी तथा हमारा भोजन भी जैविक था, अब हमें वापस उसी ओर बढना होगा साथ ही इसके लिये जनसमुदाय को जागरूक करने की भी जरूरत है। स्वामी जी ने कहा कि पोषणयुक्त आहार प्राप्त करना न केवल वर्तमान पीढ़ी का अधिकार है, बल्कि यह भावी पीढियों के अस्तित्व, स्वास्थ्य और विकास का भी विषय है।

संक्षिप्त खबरें

नशामुक्ति-स्कूल ड्रॉप बच्चों पर काम करेगी जमीयत

देहरादून। जमीयत उलमा-ए-हिंद की जिला कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार को कारगी स्थित मदरसा मदरसा दारुल उलूम मोहम्मदिया में हुई। जिसमें समाज में फैली नशा, दहेज, बच्चों के स्कूल छोडने, युवाओं में सोशल मीडिया की लत को लेकर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में तय किया गया कि इन सभी बुराईयों को दूर करने के लिए जमीयत बड़े स्तर पर मस्जिद मदरसों से अभियान चलाएगी। रबीउल अव्वल के महीने में नबी करीम की शीरत के कार्यक्रम पूरे महीने रोजाना तीस दिन तक होंगे। समाज से नशे की बुराई खत्म करने को सार्वजनिक कार्यक्रम एवं जो बच्चे स्कूल ड्रॉप आउट हो गए हैं उनके दाखिले कराने को अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान जिला सदर मुफ्ती रईस अहमद कासमी, उपाध्यक्ष मास्टर अब्दुल सत्तार, सचिव मौलाना इफ्तिकार कासमी, मौलाना अब्बास कासमी, मौलाना रिहान गनी, मौलाना बुरहानुद्दीन कासमी, हाफिज आबिद, खुर्शीद अहमद, मुफ्ती राशिद, मुफ्ती अयाज कासमी, पूर्व राज्यमंत्री याकूब सिद्दीकी, मौलाना अब्दुल मन्नान कासमी, हाफिज शाहनजर, कारी शावेज, मोहम्मद तौसीफ, मौलाना एहतेशाम, कारी अब्दुल समद आदि मौजूद रहे।

अंगदान को स्कूलों में पढ़ाए जाने की जरूरत: पद्मश्री प्रो. तितियाल,

देहरादून। एम्स दिल्ली के डॉ. आरपी सेंटर ऑफ ऑप्थेलमिक साइंसेज के प्रमुख पद्मश्री प्रो. डॉ. जेएस तितियाल ने कहा कि न केवल कॉर्निया की पुनप्राप्ति बल्कि ग्राफ्ट के सफल प्रत्यारोपण के साथ ही रोगियों में एक कॉर्निया के उपयोग को बढ़ाने के लिए लैमेलर केराटोप्लास्टी में प्रशिक्षण पर ध्यान देना चाहिए। जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिज्ञा प्रपत्र ऑनलाइन, ऑफलाइन और साइलोथॉन, वॉक जैसे कई तरीकों का उपयोग करने पर जोर दिया। कहा कि मिडिल स्कूल शिक्षण में ही अंगदान को शामिल करना चाहिए। दून मेडिकल कॉलेज में नेत्रदान पखवाड़े के मौके पर गुरुवार को एचओडी प्रो. डॉ. युसुफ रिजवी ने उनका आभार जताया। एसोसिएट प्रो. डॉ. सुशील ओझा ने डॉ. तितियाल का परिचय दिया। एम्स ऋषिकेश के आई बैंक की डायरेक्टर डॉ. नीति गुप्ता ने हॉस्पिटल कॉर्नियल रिट्रीवल प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी। कहा कि दानदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने लोगों से कॉर्निया दान करने की अपील की। जिससे अंधेपन को समाप्त किया जा सके। कहा जल्द ही मेडिकल कॉलेज राज्य अंग प्रत्यारोपण संगठन केंद्र (सोटो) और आई बैंक खुलने जा रहा है। अंग प्रत्यारोपण का कार्य जल्द शुरू होगा। इस दौरान प्रोफेसर डॉ. शांति पांडे, प्रोफेसर डॉ. एएन सिन्हा, डॉ. अभय कुमार, एपी डॉ. नीरज सारस्वत, डॉ. हिमानी पाल, डॉ. दीपक जुयाल, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. दिव्या खंडूरी मौजूद रहे।

बागेश्वर उपचुनाव में कांग्रेस ने प्रशासन की भूमिका पर फिर उठाए सवाल

देहरादून। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने एक बार फिर बागेश्वर उपचुनाव को लेकर वहां के जिला प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा है कि जिला प्रशासन भेदभाव तरीके से भाजपा का पक्ष ले रहा है। जबकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रचार से रोका जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी और मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वी षणमुगम को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बागेश्वर उपचुनाव में सत्ताधारी दल द्वारा खुलेआम प्रशासनिक और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों पर दबाव डालकर, भाजपा के पक्ष में प्रचार के लिए कहा जा रहा है। जबकि कांग्रेस से जुड़े जनप्रतिनिधियों की बकाया धनराशि को रोक कर उन्हे परेशान किया जा रहा है, यही नहीं उन्हें झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी भी दी जा रही है। भाजपा कार्यकर्ता खुलेआम सरकारी सम्पत्तियों पर पोस्टर बैनर लगा रहे हैं, जबकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सामान्य प्रचार से भी रोका जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और जिला निर्वाचन विभाग इस पर मूकदर्शक बना हुआ है। इसलिए निर्वाचन आयोग निष्पक्ष चुनाव के लिए जिला प्रशासन को निर्देश जारी करे। इस मौके पर अमरजीत सिंह, शीशपाल सिंह बिष्ट, अनुराग मित्तल उपस्थित हुए।